PAPER-III MUSIC

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature)	
(Name)	Roll No.
2. (Signature)	(In figures as per admission card)
(Name)	
	Roll No
D 1 6 1 0	(In words)

Time : $2^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet: 32

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

Number of Questions in this Booklet: 19

- इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- उ. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- 8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

D-16-10 P.T.O.

MUSIC संगीत

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred** (200) marks containing **four** (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I खंड – I

Note: This section consists of **two** (2) essay type questions with internal choice. Each question carries **twenty** (20) marks to be answered in about **five hundred** (500) words. Candidate has to answer both the questions. (2 × 20 = 40 marks) नोट: इस खंड में दो (2) निबन्धात्मक प्रश्न एक-एक विकल्प के साथ दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के **बीस** (20) अंक हैं और प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पाँच सौ** (500) शब्दों में दिया जाना है। परीक्षार्थी को दोनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

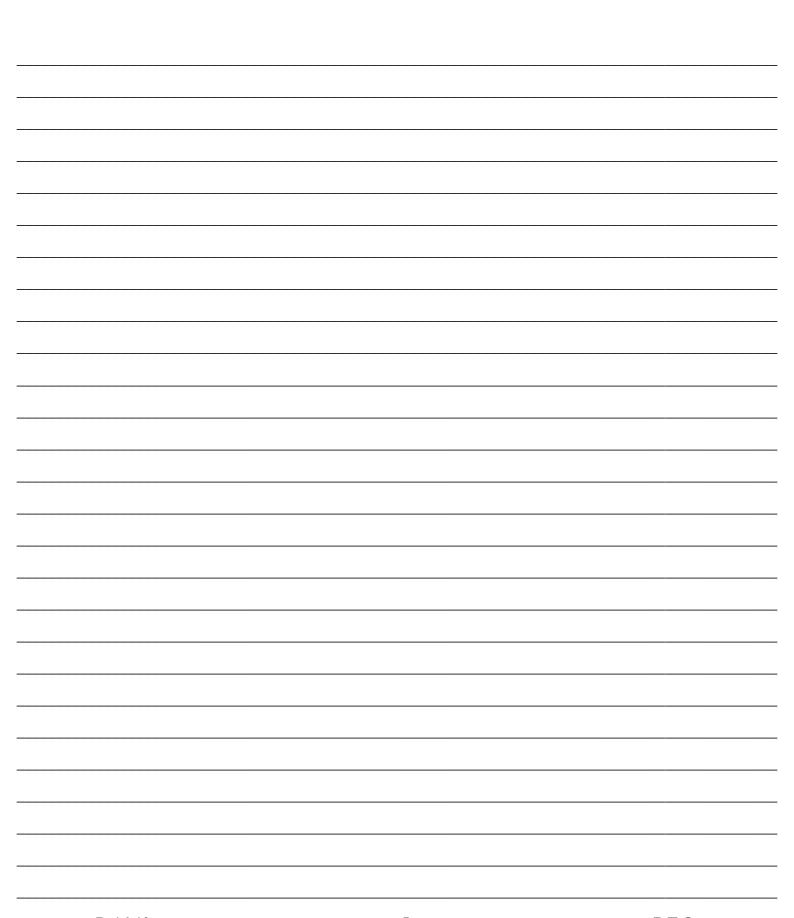
 $(2 \times 20 = 40$ अंक)

1. In Music Education, which different disciplines can have Interdisciplinary approach? Explain with examples. संगीत शिक्षा में "इंटरडिसिप्लिनरी एप्रोच" (आन्तरानुशासिक दृष्टिकोण) किन-किन भिन्न विषयों के साथ संभव हैं ? उदाहरण सहित समझाइए ।

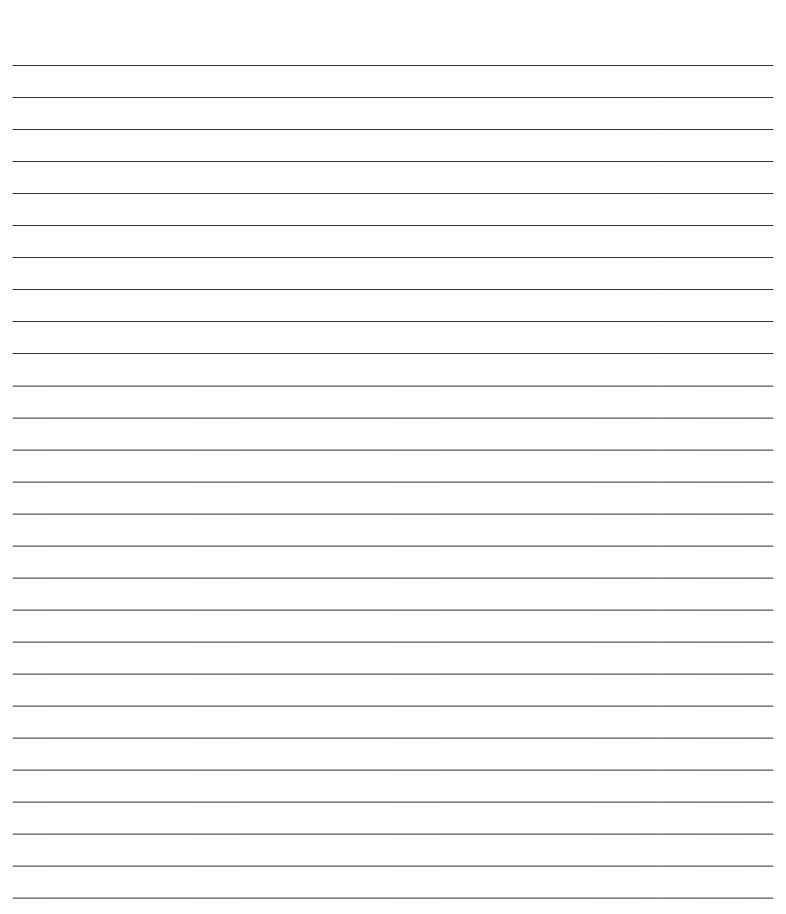
OR / अथवा

Write a detailed note on the modern trends of classical music. शास्त्रीय संगीत की समसामयिक प्रवृत्तियों पर विस्तार से लिखिये ।

	 	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	



2.	"The main object of research in all subjects is the advancement of knowledge." In this context, what should be the research methodology in music? Explain in detail. "शोध का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विषय में ज्ञान को आगे बढ़ाना माना जाता है।" इस सन्दर्भ में संगीत में शोध की क्या प्रणाली या स्वरूप होना चाहिए? विस्तार से बताइये।
	OR / अथवा What are the merits and demerits of Institutional music teaching as compared to traditional mode of music teaching? Describe. पारम्परिक रूप से प्राप्त संगीत शिक्षा की तुलना में संस्थागत शिक्षण पद्धित के क्या गुण और दोष हैं ? वर्णन कीजिये।



SECTION – II खंड – II

Note: This section contains **three** (3) questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen** (15) marks and is to be answered in about **three hundred** (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । $(3 \times 15 = 45)$

Elective – I विकल्प – I

Hindustani Music – Vocal and Instrumental हिन्दुस्तानी संगीत – गायन एवं वादन

- 3. Explain Rasa and its different varieties. How Rasa is related to music? रस तथा उसके विभिन्न प्रकारों को समझाइये । रस संगीत से किस प्रकार सम्बन्धित है ?
- 4. How Aesthetics is related to music ? What are the factors helpful in the aesthetical presentation of music performance ? Explain. सौन्दर्य बोध संगीत से किस प्रकार सम्बन्धित है ? संगीत प्रदर्शन में सहायक सौन्दर्य तत्त्वों / अवयवों का विवेचन कीजिये ।
- 5. Describe various types of musical scales. Can equally tempered scale be applicable to Indian music?

 विभिन्न प्रकार के स्वर सप्तकों का वर्णन कीजिये । क्या समानान्तर सप्तक का भारतीय संगीत में प्रयोग किया जा सकता है?

OR/अथवा

Elective – II विकल्प – II

Karnatak Music कर्नाटक संगीत

- 3. What is the importance of Kala Pramana in the aesthetic appeal of music? संगीत की सौंदर्यबोधी अपील में कला प्रमाण का क्या महत्त्व है ?
- 4. Compare the salient features of compositions of Swati Thirunal and Tyagaraja. स्वाति थिरुनल तथा त्यागराज की संरचनाओं की प्रमुख विशिष्टताओं की तुलना कीजिए ।
- 5. Recent developments in Katcheri Paddhati and their impact. कचेरी पद्धति में सामयिक विकास तथा उनके प्रभाव की चर्चा कीजिए ।

OR/अथवा

Elective - III विकल्प - III

Rabindra Sangeet रबीन्द्र संगीत

- 3. 'The emotions expressed in Tagore's compositions are relevant in contemporary India.' Elaborate.
 - 'टैगोर की संगीत रचनाओं में अभिव्यक्त संवेग समसामयिक भारत में प्रासंगिक हैं ।' सविस्तार प्रतिपादित कीजिए ।

- 4. In what way has North Indian Classical Music influenced Tagore's compositions? उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत ने टैगोर की संगीत रचनाओं को किस प्रकार प्रभावित किया है?
- 5. How did his family and home environment shape Rabindranath Tagore's life and works?

रबीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन तथा कृतियों को उनके परिवार तथा घरेलू परिवेश ने कैसे गढ़ा ?

OR/अथवा

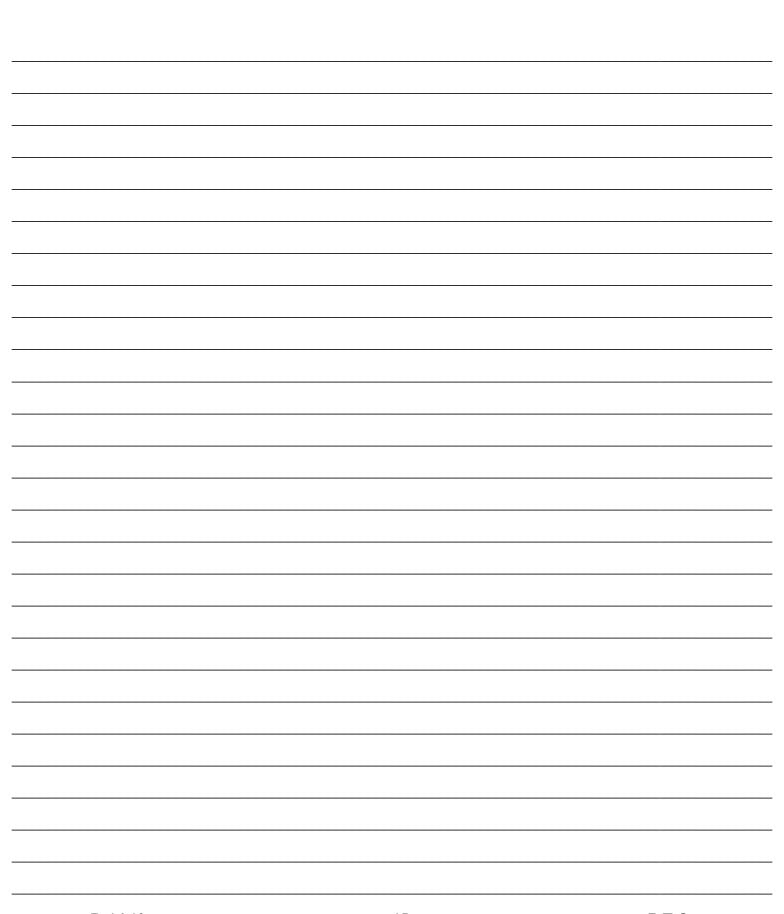
Elective – IV विकल्प – IV

Percussion Instruments

अवनद्ध वाद्य

- 3. Compare the North Indian and Karnatak taal system and write the forms of Dhruva, Jhamp and Triput talas of Karnataka. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक ताल पद्धित की तुलना कीजिये तथा कर्नाटकीय ध्रुव, झंप एवं त्रिपुट तालों के स्वरूप लिखिये।
- 4. Write your views in detail on the topic "Tabla accompaniment with classical vocal, instrumental and Kathak Dance". "शास्त्रीय गायन, वादन तथा कथक नृत्य के साथ तबला संगति" इस विषय पर अपने विचार विस्तार से लिखिये।
- 5. What is the sequence of repertoires in Tabla solo playing ? Explain and express your views on the popularity of Tabla solo playing. एकल तबला वादन में रचनाओं का क्या क्रम होता है ? लिखिये तथा एकल तबला वादन की लोकप्रियता पर विचार व्यक्त कीजिये ।









	SECTION – III खंड – III
	This section contains nine (9) questions each to be answered in about fifty (50) words. Each question carries ten (10) marks. (9 × 10 = 90 marks) इस खंड में नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न दस (10) अंक का है । (9 × 10 = 90 अंक)
6.	Describe the Indian classification of instruments or Vrinda-gayan. भारतीय संगीत के वाद्य वर्गीकरण अथवा वृंद-गायन को संक्षेप में समझाइये ।

7.	Define consonance and dissonance. Also write the consonant pair of notes in a scale. संवाद-विवाद की परिभाषा दीजिये । सप्तक में संवादी स्वर जोड़ों को भी लिखिये ।
	OR/अथवा
	Describe the merits and demerits of Avanaddha Vadya Vadaka. अवनद्ध वाद्य वादक के गुण-दोषों का वर्णन कीजिये ।

8.	Describe any one Grantha of your discipline of Medieval period in short. अपने विषय से सम्बन्धित मध्यकाल के किसी एक ग्रंथ का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।
9.	What is meant by Dhyan theory of Ragas or Lakshan Geetas ? Explain. रागों के ध्यान सिद्धान्त अथवा लक्षण गीतों से आप क्या समझते हैं ? समझाइये । OR/अथवा
	Describe the 'Patah' & Kansya tal with sketch. 'पटह' और कांस्यताल का संक्षिप्त में वर्णन कीजिये ।

10.	Describe the chief characteristics of western staff notation with special reference to key signature. पाश्चात्य स्वरिलिप पद्धित (स्टाफ नोटेशन) की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करते हुये मुख्य रूप से उनके 'की सिग्नेचर' का वर्णन कीजिये।

11.	Describe some important music intervals of music. कुछ प्रमुख सांगीतिक स्वरान्तरों का वर्णन कीजिये । OR/अथवा Write in notation the Ku-aad of Jhaptaal. झपताल की कुआड़ लिपिबद्ध कीजिये ।

24

D-16-10

12.	Write short notes on any one of the following: (a) Characteristics of Raja Madhuwanti and Multani. (b) Janya Raga Mohanam and Bhairavi – Their characteristics. (c) Theka of Ada-Chautal and Jhoomra. (d) Influence of Hindustani Sangeet on Rabindra Sangeet.
	निम्नलिखित में से किसी एक पर संक्षेप में लिखिये : (अ) राग मधुवन्ती एवं मुल्तानी की विशेषतायें । (ब) जन्य राग मोहनम् तथा भैरवी की विशेषतायें । (स) आड़ा चारताल एवं झूमरा ताल का ठेका । (द) रबीन्द्र संगीत पर हिन्दुस्तानी संगीत का प्रभाव ।

13.	Describe the salient features of any two Gharanas or Sampradayas of your discipline in brief. अपने विषय से सम्बन्धित किन्हीं दो घरानों अथवा सम्प्रदायों की मुख्य विशेषताओं को संक्षेप में लिखिये।
14.	Compare and contrast between Harmony and Melody. Can Harmony be applicable to Indian Music ? हार्मनी एवं मेलोडी में समता-विभिन्नता दर्शाइये । क्या हार्मनी का प्रयोग भारतीय संगीत में हो सकता है ?

26

SECTION – IV खंड – IV

Note: This section contains **five** (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty** (30) words and each question carries **five** (5) marks. (5 × 5 = 25 marks) नोट: इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30)

शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । (5 × 5 = 25 **अंक**)

Kaku is the most vital component in creating Rasa of Music. Kaku is the source of life in music. For the first time Bharat laid down the theory that the use of Kaku is compulsory to give total effects to the pathya of Natya and he wrote a complete detail on "Kaku Swara Vyanjanam" in the 17th part of Natyashastra. Bharat has directed that use of Kaku is related to the Vachik Abhinay of the four kinds of Abhinay. After Bharat scholars like Sharangdeo, Anandvardhan and others have elaborately discussed the significance of Kaku in the context of sound. Kaku means when one single word interprets different shades or meanings thereby that the application of swar is known as Kaku. When the swaras in music are pitched high for the purpose of creating emotions and feelings that process is known as Kaku.

Pt. Sharangdeo has mentioned Kaku in the context of Chaya Sthaya in the Prakeerna chapters of the ten chapters and has described Swar Kaku, Rag Kaku, Anya Rag Kaku, Desh Kaku, Chetra Kaku and Yantra Kaku. The application of swara in Khyal, Thumri Tappa etc. is different because of the different shades of Kaku known as Kaku Bhed, but khayal style of singing is totally based on Kaku. Khayal means that the presentation of Raga is based on improvisation and in this improvisation Kaku plays an important role in such a decoration and imagination of Khayal style.

संगीत में रस-निष्पत्ति के लिये काकु एक प्रबल सहायक तत्त्व है और संगीत का प्राण तत्त्व भी । सर्वप्रथम भरत ने नाट्य के पाद्य को प्रभावशाली बनाने के लिये काकु प्रयोग को आवश्यक माना और नाट्यशास्त्र के सत्रहवें अध्याय में "काकु स्वर व्यंजनम्" शीर्षक से पूरा एक अध्याय लिख दिया । भरत ने अभिनय के 4 प्रकारों में से वाचिक अभिनय में काकु प्रयोग बताया है । भरत के बाद शार्ड्गदेव, आनन्दवर्धन आदि ने ध्विन के विवेचन में काकु के महत्त्व पर विस्तार से निरूपण किया । काकु से तात्पर्य है जब एक ही शब्द अलग-अलग अर्थों का बोध कराये, अर्थात् स्वर का लगाव काकु है । संगीत में भावोत्पित्त के लिये जब स्वरों को आवश्यकतानुसार उतारा- चढ़ाया जाये, उस प्रक्रिया को काकु कहते हैं । पं. शार्ड्गदेव ने प्रकीर्ण अध्याय में दस विशिष्ट अध्यायों में छाया स्थाय के अन्तर्गत काकु का विवरण दिया है । मतंग ने भाषा, विभाषा के अन्तर्गत काकु की चर्चा की है एवं स्वर काकु, राग काकु, अन्य राग काकु, देश काकु, क्षेत्र काकु तथा यन्त्र काकु का वर्णन किया है । ध्रुपद, धमार, ख्याल, टुमरी, ठप्पा आदि में आवाज का लगाव काकु भेद के कारण होता है, किन्तु ख्याल शैली पूर्णत: काकु भेद पर आधारित है और ख्याल की सजावट और कल्पना के पुट में काकु अपना विशेष स्थान रखता है ।

15.	Mention the concept of Rasa-Nishpatti by Kaku according to Bharat. भरत के अनुसार काकु द्वारा रस-निष्पत्ति सम्बन्धी व्याख्या का उल्लेख कीजिये ।
16.	Which of the music scholars referred to the importance of Kaku after Bharat ? भरत के बाद किन विद्वानों ने काकु के महत्त्व पर चर्चा की है ?

17.	What is meant by Kaku ? काकु से क्या तात्पर्य है ?
18.	Describe the views of Pt. Sharangdeo on Kaku. पं. शार्ङ्गदेव के अनुसार काकु पर उनके विचारों का उल्लेख कीजिये ।

19.	How many varieties of Kaku are there ? काकु के कितने भेद हैं ?
	काकु क ।कतन भद हं !
	পাপু প ।পান
	काकु क ।कतन भद ह <i>!</i>
	काकु क ।कतन भद ह <i>!</i>
	काकु क ।कतन भद ह <i>!</i>
	काकु क ।कतन भद ह !
	काकु क कितन भद हं !
	काकु क कितन भद हं !
	काकु क ।कतन भद ह !
	काकु क ।कतन भद ह !
	काकु क कितन मद हं ?
	काकु क कितन भद ह !
	काकु क कितन भद ह !

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question	Marks	
Number	Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		

Total Marks Obtained (in words)		
(in f	figures)	
Signature & Name of the C	Coordinator	
	_	
(Evaluation)	L)ate	